गिव इट अप अभियान

राजसहायता प्रबंधन के एक भाग के रूप में, माननीय प्रधानमंत्री ने 'गिव इट अप' अभियान की शुरूआत करके संपन्न एलपीजी उपभोक्ताओं से स्वेच्छा से अपनी राजसहायता छोड़ने का आवाहन किया था। गिव इट अप अभियान को सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध व्यक्तियों से भारी समर्थन प्राप्त हुआ है और इसके परिणामस्वरूप 1.04 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने स्वेच्छा से अपनी राजसहायता छोड़ दी है।

गिव इट अभियान से इस देश में नागरिकों द्वारा समाज के हित में 'त्याग की पहल' में एक नया अध्याय जुड़ा है और इससे जनता को श्रेष्ठ सुपुर्दगी व्यवस्था का एक नया मानदंड निर्धारित हुआ है।